नाम..... अनुक्रमांक.....

प्री-बोर्ड परीक्षा : 2023

(A)

सामान्य हिन्दी

समय : 3:15 घण्टे] कक्षा-12 [पूर्णांक :100

निर्देश :
(i) प्रारंभ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।
(ii) इस प्रश्न-पत्र के दो खण्ड हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है।

खण्ड 'क'

1. (क) 'स्कन्दगुप्त' नाटक के लेखक हैं- 1
(i) प्रेमचन्द (ii) लक्ष्मीनरायण मिश्र
(iii) जयशंकर प्रसाद (iv) धर्मवीर भारती।

(ख) 'शेख एक जीवनी' के लेखक हैं- 1
(i) भीष्म साहनी (ii) जयशंकर प्रसाद
(iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्सायन 'अज्ञेय' (iv) प्रेमचन्द।

(ग) 'परीक्षा गुरु' के लेखक हैं- 1
(i) हजारी प्रसाद द्विवेदी (ii) सदल मिश्र
(iii) लक्ष्मण सिंह (iv) लाल श्रीनिवास दास।

(घ) 'निन्दारस' रचना है- 1
(i) मोहन राकेश की (ii) श्यामसुन्दर दास की
(iii) हरिशंकर परसाई की (iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की।

(ङ) 'इन्दुमती' है- 1
(i) प्रथम कहानी (ii) प्रथम उपन्यास
(iii) निवन्ध (iv) इनमे से कोई नहीं।

2. (क) 'कामायनी' रचना है- 1
(i) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (ii) महादेवी वर्मा की
(iii) जयशंकर प्रसाद की (iv) मोहन अवस्थी की।

(ख) हिन्दी साहित्य के 'आदिकाल' के लिए 'बीज वपन' नाम दिया है- 1
(i) रामचन्द्र शुक्ल ने (ii) रामकुमार वर्मा ने
(iii) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी ने (iv) डॉ. नगेन्द्र ने।

(ग) 'अष्टछाप' के कवियों का सम्बन्ध है भक्तिकाल की- 1
(i) ज्ञानाश्रयी शाखा से (ii) प्रेमाश्रयी शाखा से
(iii) कृष्ण भक्ति शाखा से (iv) रामभक्ति शाखा से।

(घ) 'कितने नावों में कितनी बार' काव्य कृति है- 1
(i) सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' की (ii) हरिवंशराय बच्चन की
(iii) गिरिजाकुमार माथुर की ( ) सुमित्रानन्दन पन्त की।

(ङ) 'रामचन्द्र शुक्ल' ने हिन्दी साहित्य के जिस काल को 'रीतिकाल' नाम दिया है, उसे 'श्रृंगार काल' नाम दिया है- 1
(i) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ने (ii) मिश्र बन्धु ने
(iii) डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी ने (iv) डॉ. रमाशंकर शुक्ल 'रसाल' ने।

3. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश के आधार पर दिए गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 5×2=10

रमणीयता और नित्य नूतनता अन्योन्याश्रिम है, रमणीयता के अभाव में कोई भी चीज मान्य नहीं होती। नित्य नूतनता किसी भी सर्जक की मौलिक उपलब्धि की प्रमाणिकता सूचित करती है और

P.T.O.

Hindustanknowledge.com

उसकी अनुपस्थिति में कोई भी चीज़ वस्तुत: जनता व समाज के द्वारा स्वीकार्य नहीं होती। सड़ी-गली मान्यताओं से जकड़ा हुआ समाज जैसे आगे बढ़ नहीं पाता, वैसे ही पुरानी रीतियों और शैलियों की परम्परागत लीक पर चलने वाली भाषा भी जन-चेतना को गति देने में प्राय: असमर्थ रह जाती है। भाषा समूची युग-चेतना की अभिव्यकित का एक सशकत माध्यम है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश किस शीर्षक से उद्धृत है?
(ii) उपर्युक्त गद्यांश के लेखक कौन हैं?
(iii) उपर्युक्त गद्यांश में लेखक ने किस बात पर बल दिया है?
(iv) लेखक ने किसे अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम माना है?
(v) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

साहित्य, कला, नृत्य, गीत, आमोद-प्रमोद अनेक रूपों में राष्ट्रीय जन अपने-अपने मानसिक भावों को प्रकट करते हैं। आत्मा का जो विश्वव्यापी आनन्द भाव है वह इन विविध रूपों में साकार होता है। यद्यपि बाह्य रूप की दृष्टि से संस्कृति के ये बाहरी लक्षण अनेक दिखाई पड़ते हैं, किन्तु आन्तरिक आनन्द की दृष्टि से उनमें एकसूत्रता है। जो व्यक्ति सहृदय है, वह प्रत्येक संस्कृति के आनंद पक्ष को स्वीकार करता है और उससे आनन्दित होता है। इस प्रकार की उदार भावना ही विविध जनों के बने हुए राष्ट्र के लिए स्वास्थ्यकर है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।
(ii) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) सहृदय व्यक्ति किसे स्वीकार करके प्रसन्नचित्त होता है?
(iv) राष्ट्रीय जन अपने-अपने मानसिक भावों को किन-किन रूपों में प्रकट करते हैं?
(v) राष्ट्रीय जन अपने मनोभावों को किन-किन रूपों में प्रकट करते हैं?

4. निम्नांकित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश के आधार पर दिए गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **5×2=10**

कहते आते थे यही अभी नरदेही,
'माता न कुमाता, पुत्र कुपुत्र भले ही।'
अब कहें सभी यह हाय! विरुद्ध विधाता,
'हे पुत्र पुत्र ही, रहे कुमाता माता।'
बस मैंने इसका बाह्य-मात्र ही देखा,
दृढ़ हृदय न देखा, मृदुल गात्र ही देखा,
परमार्थ न देखा, पूर्ण स्वार्थ ही साधा,
इस कारण ही तो हाय आज यह बाधा!
युग युग तक चलती रहे कठोर कहानी,
'रघुकुल में भी थी एक अभागिन रानी।'
निज जन्म जन्म में सुने जीव यह मेरा-
'धिक्कार! उसे था महा स्वार्थ ने घेरा।'

अथवा

(i) पाठ के शीर्षक एवं रचयिता के नाम का उल्लेख कीजिए।
(ii) कैकेयी को अभागिन रानी क्यों कहा गया है?
(iii) इस पद्यांश में कवि ने किस प्रसंग का उल्लेख किया है?
(iv) इस पद्यांश में कौन-सा अलंकार है?
(v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

सावधान मनुष्य! यदि विज्ञान है तलवार,
तो इसे दे फेंक, तजकर मोह, स्मृति के पार।
हो चुका है सिद्ध, है तू शिशु अभी अज्ञान?

Hindustanknowledge.com

फूल काँटों की तुझे कुछ भी नहीं पहचान,
खेल सकता तू नहीं ले हाथ में तलवार,
काट लेगा अंग, तीखी है बड़ी यह धार।।

(i) पाठ के शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए।
(ii) विज्ञान को 'तलवार' क्यों कहा गया है?
(iii) विज्ञान का प्रयोग करने में उसे शिशु समाज क्यों कहा गया है?
(iv) पूरे पद में कौन-सा अलंकार है?
(v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

5. **(क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक-परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए-** 3+2=5

(i) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी (ii) डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
(iii) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक-परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए- 3+2=5

(i) सुमित्रानन्दन पंत (ii) महादेवी वर्मा (iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'।

6. **'ध्रुवयात्रा' अथवा 'बहादुर' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।** 5

अथवा

'पंचलाइट' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

7. **स्वपठित खण्डकाव्य**

खण्ड-'ख'

8. **निम्नलिखित अवतरणों का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए-** 2+5=7

(क) सुवर्णराजहंसस्य दुहिता हंसपोतिका अतीव रूपवती आसीत्। स तस्यै वरमदात् यत् सा आत्मननिश्चत्तरुचिंत स्वामिनं वृणुयात् इति। हंसराज: तस्यै वरं दत्वा हिमवति शकुनिसङ्घ सन्यपतत्। नानाप्रकारा: हंसिमयूरादय: शकुनिगणा: समागत्य एकस्मिन् महति पाषाणतले संन्यपतन्। हंसराज: आत्मन: नित्तरुचितं स्वासमिकम् आगत्य वृणुयात् इति दुहितरमादिदेश:। सा शकुनसङ्घे अवलोकयन्ती मणिवर्णग्रीवं चित्रप्रेक्षणं मयुरं दृष्ट्वा 'अयं में स्वामिको भवतु' इत्यभाषत्।

अथवा

युवक: मालवीय: स्वकीयेन प्रभावपूर्णभाषणेन जनानां मनासि अमोहयत्। अत: अस्य सुहृद: तं प्राङ्विवाकपदवीं प्राप्य देशस्य श्रेष्ठतरां सेवां कर्तु प्रेरितवन्त:। तदनुसारम् अयं विधिपरीक्षामुत्तीर्य प्रयागस्थे उच्चन्यायालये प्राङ्विवाककर्म कर्तुमारभत्। विधे: प्रकृष्टज्ञानेन मधुरालापेन उदारव्यवहारेण चायं शीघ्रमेव मित्राणां न्यायाधीशानाञ्च सम्मानभाजनमभवत्।

(ख) भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती। 2+5=7
तस्या हि मधुरं काव्यं तस्मादपि सुभाषितम्।।

अथवा

उदेति सविता ताम्रस्ताम्र एवास्तमेति च।
सम्पत्तौ च विपत्तौ च महतामेकरूपता।।

9. **निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए-** 1+1=2

(i) सावन हरे न भादों सूखे। (ii) कान पर जूँ न रेंगना।
(iii) गले का हार बनना। (iv) हाथ कंगन को आरसी क्या?

10. **(क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कर लिखिए-**

(i) 'उपेन्द्र:' का सन्धि-विच्छेद है- 1
(अ) उपे+इन्द्र: (ब) उप+ईन्द्र: (स) उप+इन्द्र: (द) ऊप + इन्द्र:।

(ii) 'पावक:' का सन्धि-विच्छेद है- 1
(अ) पौ+अक: (ब) पा+वक: (स) पाव + क: (द) पौ + अक:।

(iii) 'महोत्सव:' का सन्धि-विच्छेद है- 1

Hindustanknowledge.com

(अ) महो + उत्सवः (ब) महा + उत्सवः
(स) मह + ओत्सवः (द) महोत् + सवः।

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति और वचन के अनुसार चयन कीजिए- 1

(i) सरिताम् में विभक्ति और वचन है-
(अ) द्वितीया विभक्ति, एकवचन (ब) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन
(स) तृतीया विभक्ति, द्विवचन (द) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन। 1

(ii) आत्मनः में विभक्ति और वचन है-
(अ) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन (ब) पञ्चमी विभक्ति, एकवचन
(स) तृतीया विभक्ति, एकवचन (द) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन।

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए- 1

(i) बात-बात
(अ) बातें और हवा (ब) रोग और दवा
(स) वायु और विकार (द) विचार और शिकार। 1

(ii) वहन-बहन
(अ) दोनों और भगिनी (ब) वहना और बहिनी
(स) दोनो और पत्नी (द) वहना और भगिनी।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए- 1+1=2
(i) चपला (ii) पयोधर (iii) कुल (iv) मधु

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए-

(i) भले-बुरे की पहचान करने वाला- 1
(अ) ज्ञानी (ब) विद्वान (स) विवेकी (द) पंडित।

(ii) जिसने देश के साथ विश्वासघात किया हो- 1
(अ) बागी (ब) विश्वासघाती (स) देशद्रोही (द) विद्रोही।

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का शुद्ध करके लिखिए: 1+1=2
( ) राम और श्याम बातचीत कर रहा है।
( ) आज सभा में अनेकों नेताओं के भाषण हुए।
( ) अध्यापक कक्षा में पढ़ा रहा है।
( ) तुम मेरे से मत बोलो।
( ) एक फूल की माला लाओ।

12. (क) वीर रस **अथवा** श्रृंगार रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 1+1=2
(ख) यमक **अथवा** उपमा अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2
(ग) चौपाई **अथवा** सोरठा छन्द का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए। 1+1=2

13. किसी उच्चतर विद्यालय में लिपिक के रिक्त पद पर नियुक्ति हेतु विद्यालय प्रबंधक को एक आवेदन-पत्र लिखिए। 2+4=6

अथवा

अपना कुटीर उद्योग प्रारंभ करने हेतु किसी बैंक के प्रबंधक को ऋण प्रदान करने हेतु एक पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों (शीर्षकों) में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए- 2+7=9

(i) देश में बेरोजगारी की समस्या (ii) कृषक-जीवन की त्रासदी
(iii) विद्यार्थी और राजनीति (iv) विद्यालयों में स्वास्थ्य शिक्षा का महत्व
(v) आतंकवाद।

❖❖❖❖❖

Hindustanknowledge.com